



Shilalekh

A News Letter of Aryan College, Ajmer

January, 2012 • Vol. IV



Academic Block

NEW CAMPUS
@ Lohagal



Lab 1



Lab 2



Gymnasium



Library



Language Lab



Network & Multimedia Lab



Sports Ground



Inter Class Quiz Competition



Inauguration of Book Exhibition



Co-Organisers of Disability Camp



Philately Exhibition



Management Games



Republic Day



Donation of Washing Machine to Apna Ghar



Dandiya Night



Mahendi Competition



Blood Donation Camp



"Break the shell" Workshop 1



"Break the shell" Workshop 2





Group Discussion



A Workshop on Personal Effectiveness



Working Model Exhibition by BBA Students



Role Plays by BBA students



Workshop on Open Source Technologies



Ten Days workshop on Hardware & Networking



MIS Charts



Infosys Visit



Business Case Study



Workshop on Stock Market



Visit to Saras Dairy



Placement & Grooming Training

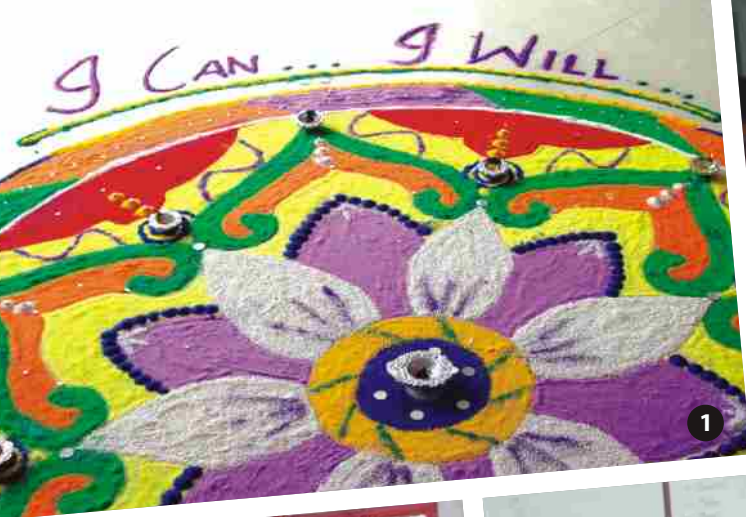


Plantation Drive



Workshop on Attitude Alignment





1. Rangoli
2. Talent Evening
3. Workshop by Mr. Arvind
4. Guidance by Dr. Madani
5. Secret of Success by Dr. Melba
6. Workshop by Col. Bhatia
7. Personal Effectiveness by Mr. Himanshu Buch
8. Workshop by Brahm Kumaris
9. Volunteers at "I Can, I Will"
10. Bash Post Workshop





हैलो लूजर्स! क्यों न जल्दी से कुछ नाकाम लोगों से आपकी मुलाकात करा दी जाए, जो हमारे लिए हताशा और हारे हुए लोगों के प्रतीक हैं। सबसे पहले बात सिराकस (न्यूयार्क) के एक लड़के की, जिस पर महज सात साल की उम्र में डिस्लेक्सिक का ठप्पा लग गया था। वह तीन अलग-अलग हाई स्कूल में गया और हर जगह अपनी कमियों को छिपाने की कोशिश करता। जब वह 12 साल का हुआ तो उसके माँ-बाप अलग हो गए और वह अपनी बहन ली एन और माँ के साथ न्यूजर्सी चला गया। आखिरकार, उसने किसी तरह हाईस्कूल पास कर लिया, अंडरग्रेड्स में वह फिर लटक गया, क्योंकि वह एक 'व्यावहारिक अनपढ़' था। फिर भी, उसने अभिनेता बनने का ख्वाब संजोया और लॉसएंजिलिस जाने का फैसला किया। वहां भी, उसके भीतर छिपे नाकाम अक्स ने उसे ऑडिशन पास नहीं करने दिया, क्योंकि वह स्क्रिप्ट पढ़ ही नहीं पाता था। उसके दिमाग में कई बार हार मानने का ख्याल आया, लेकिन उसे अपनी माँ की बात याद आ जाती, 'तुम्हें जबरदस्त क्षमता है', 'कभी हार मत मानना' और, '1983 में वह ही फिर' रिस्की बिजनेस' में नजर आया। जौहरियों ने उसे पहचान लिया। तीन साल बाद 'टॉप गन' रिलीज हुई। फिल्म ने 343 मिलियन डॉलर की कमाई की और उसे लखपति (उसने फिल्म से 2 मिलियन डॉलर रुपये कमाए) बना दिया। उसका नाम है थॉमस क्रूज मैपोदर फोर, जिसे आज हम सभी टॉम क्रूज के नाम से जानते हैं। टॉम जो कभी एक डिस्लेक्सिक था, आज की तारीख में एक प्रमाणित पायलट है, एक नामचीन फिल्म निर्माता है और हॉलीवुड के सबसे मशहूर फिल्मी सितारों में से एक है।

लूजर्स लिस्ट की दूसरी शख्सियत ने एक अविवाहित महिला की कोख से मिसिसिपी के एक फॉर्म में जन्म लिया था। उसकी माँ (वर्निता ली) 18 साल की नौकरानी थी, जबकि उसका 20 वर्षीय पिता बेर्नान अमेरिकी सेना में नया-नया भर्ती हुआ था। उसके पैदा होने के कुछ दिनों बाद ही उसके माँ-बाप ने अलग होने का फैसला कर लिया और वह अपनी दादी के पास रह गई। वह लड़की थी, अश्वेत थी और बहुत गरीब थी। छह साल की उम्र में, उसे एक बेहद घटिया और खतरनाक इलाके मिलवाँकी में रहने के लिए भेज दिया गया, जहां उसके भाइयों, चाचा और उसकी माँ के एक दोस्त ने कई बार उसके साथ बलात्कार किया। फिर, उसे उसके पिता के पास नैशविले भेज दिया गया। 14 साल की उम्र में वह गर्भवती हो गई और उसने एक मृत बच्चे को जन्म दिया। वह पूरी तरह टूट चुकी थी, लेकिन उसने खुद से वादा किया कि कभी हार नहीं मानेगी। पिता ने किसी तरह उसकी आर्थिक मदद की और फिर जी-टोड मेहनत करके वह स्कूल की सबसे तेज लड़कियों में शुमार हो गई। उसे स्थानीय नैशवील रेडियो स्टेशन में दिन की खबरें पढ़ने की नौकरी मिल गई। टीएसयू में पहले ही साल के दौरान, जब उसे मिस ब्लैक नैशवील और मिस टेनेसी का खिताब मिला, कोलंबिया ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम (सीबीएस) ने उसे नौकरी का प्रस्ताव दिया। जनवरी, 1984 में उसे जिंदगी का सबसे सुनहरा मौका मिला, जब वह 'एसएम शिकागो' नाम के एक मॉर्निंग टॉक शो में एंकर बनी। कार्यक्रम इतना मशहूर हुआ कि 20 महीने बाद उसका नाम बदलकर 'द ओप्रा विंफ्रे शो' रख दिया गया। वह दुनिया की एक मशहूर शख्सियत बनने की राह पर थी। आज की तारीख में, वह एक प्रोडक्शन हाउस हार्पी ईंक की मालकिन हैं, दुनिया की वह सबसे अमीर 2.7 बिलियन डॉलर्स अश्वेत हैं और सबसे खात बात यह है कि वह दुनिया की दूसरी (फोर्ब्स 2011 के मुताबिक, लेडी गागा पहले नंबर पर हैं), नंबर की सबसे शक्तिशाली महिला हैं।

हमारी सूची के तीसरे लूजर का जन्म शिकागो के हरमोसा सामुदायिक इलाके में एलियस और फ्लोरा डिज्नी के घर हुआ था। जब वह युवा था, तब उसे केनसन सिटी स्टार अखबार से निकाल दिया गया। वजह बस इतनी थी कि उसके

हैलो लूजर्स!

बॉस के मुताबिक इस शांति में सृजनात्मकता की कमी थी। वह कर्ज के बोझ तले दब चुका था, भावनात्मक रूप से बिखर चुका था। लेकिन इन हालातों में भी उसके जेहन में एक



बात बिल्कुल साफ थी कि वह कभी हार नहीं मानेगा। उसने कुछ दिन खाना बिना खाए कुछ डॉलर्स बचा लिए ताकि हॉलीवुड के लिए ट्रेन का टिकट ले सके। वहां, 1926 में उसने 'ओसवालड द रैबिट' नाम का एक शानदार कार्टून कैरेक्टर बनाया। उन्होंने कई और कैरेक्टर्स बनाए, लेकिन खारिज होने का दौर बदस्तूर चलता रहा। दुनिया भर की परेशानियों से जूझते इस दिवालिया इंसान ने 1944 में 'मेरी पॉपिंग्स' नाम की एक और एनिमेशन फिल्म बनाई, जो ब्लॉकबस्टर हिट रही। आज हम उस लूजर को इसलिए ज्यादा जानते हैं कि उसने स्टीमबोट विली, एक कार्टून कैरेक्टर बनाया। यही वह कार्टून कैरेक्टर था जो बाद में मिकी-माउस नाम से मशहूर हुआ। जानते हैं इस लूजर का नाम क्या था-वॉल्ट डिज्नी। हमारी कहानी में चौथी लूजर एक महिला है, जिसकी जिंदगी ऐसी उम्र में बुरी तरह उलझ गई थी, जब हममें से ज्यादातर लोग पैर जमा चुके थे। पुर्तगाल की अंग्रेजी विषय की एक शिक्षिका ने एक टीवी पत्रकार से शादी की। लेकिन बेटी के जन्म के चार महीने बाद ही उसका पति अलग हो गया। उसने पुर्तगाल में शिक्षिका की नौकरी छोड़ दी और एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड में अपनी बहन के पास जाने का फैसला किया। उस महिला ने अपना और अपनी साल भर की बेटी का पेट पालने के लिए संघर्ष जारी रखा। एक किताब उसकी उम्मीद की अटूट किरण बनी हुई थी, जिसे वह लिख रही थी। जब 1995 में वह इसे लेकर ब्लूम्सबरी प्रकाशन घर गई, तो प्रकाशक ने उससे दिन की नौकरी करने को कहा। बारह दूसरे प्रकाशकों ने भी किताब को छापने से इंकार कर दिया। एक बाल बाद ब्लूम्सबरी के उसी प्रकाशक ने, जिसने पहली दफा किताब छापने से इंकार कर दिया था, इंग्लैंड में किताब का प्रकाशन का अधिकार पाने के लिए अग्रिम राशि के तौर पर उसके आगे 1500 पाउंड की मामूली रकम की पेशकश की। लेकिन उसने हार नहीं मानी। 1997 में, अपना लेखन जारी रखने के सिलसिले में स्कॉटिश कला परिषद से अनुदान प्राप्त करने के लिए उसने आवेदन किया। अनुदान के तौर पर उसे 8000 पाउंड मिले। इसके बाद 1998 में स्कॉलार्शिक इंक ने 105,000 पाउंड देकर उसकी किताब के अमेरिका में प्रकाशन का अधिकार खरीदा। इस किताब को 'हैरी पॉटर एंड द फिलॉस्फर स्टोन' के नाम से जाना जाने लगा। इसकी लेखिका थी-जॉन.के. रॉलिंग, आज एक अरब डॉलर की संपत्ति की मालकिन और दुनिया की सबसे धनी लेखिका।

अगर आप खुद को ऐसा इंसान मानते हैं, जो दिवालिया है, भागता रहता है, हंसी का पात्र है, निराश होता है, तो आप सब महान नाकाम लोगों का स्वागत है। आइए और लूजर्स क्लब में आप भी जुड़ जाइए, जो इस सदी पर राज करेंगे।

-अरिंदम चौधरी, लेखक शिक्षाविद व आई.आई.पी.एम. के प्रमुख



Are Technical Skills Enough?

Soft skills is a sociological term relating to a person's "EQ" (Emotional Intelligence Quotient), the cluster of personality traits, social graces, communication, language, personal habits, friendliness, and optimism that characterize relationships with other people. Soft skills complement hard skills (part of a person's IQ), which are the occupational requirements of a job and many other activities. A person's soft skill EQ is an important part of their individual contribution to the success of an organization. For this reason, soft skills are increasingly sought after by employers in addition to standard qualifications.

Technical and job-related skills are a must, but they are NOT sufficient when it comes to progressing up the ladder. Planning is necessary but execution is also equally important. And it takes soft skills to execute any idea because it involves dealing with people directly.

Behavioural training experts say there are several soft skills required in these circumstances....

- (i) Interpersonal skills (ii) Team spirit
- (iii) Social grace (iv) Business etiquette
- (v) Negotiation skills
- (vi) Behavioural traits such as attitude, motivation and time management

Will formal training enhance your soft skills?

There is a lot of argument in the industry as to whether it is possible to enhance soft skills in a few hours of training, especially when one considers the fact that a person has lived with those traits all his life. To this, the answer is harsh but real — a professional who wants to do well in his/ her career does not really have a choice.

Be your own trainer! HOW?

1. Be a part of team activities
2. Ask family members or close friends to write down your best and worst traits.
3. How well do you manage your time?
4. Introspect on how you react to feedback
5. Live consciously

It's often said that hard skills will get you an interview but you need soft skills to get and keep the job.

—Seema Hawa , Faculty

Students and Teachers are Poles apart

When we write over our writing
It is overwriting,
When they write over our writing
It is a correction,
When we gather to talk
It is a gossip,
When they gather to talk
It is a meeting,
When we are found in the library
It is a bunk,
When they are found in the library.
It is a research work.
When we copy from others
It is cheating,
When they copy from others
It is quoting,
When we don't do our work in time
We are lazy,
When they don't do their work in time
They are busy,
When we think in classroom
We are day dreamers
When they think in classroom
They are philosophers.

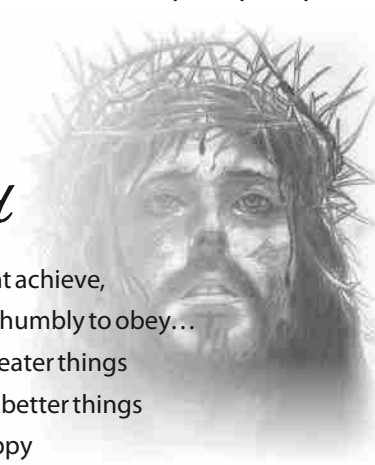
– Priyanka Khandelwal, MIT (Prev.)



I Creed For Those Who Have Suffered

I asked God for strength, that I might achieve,
I was made weak, that I might learn humbly to obey...
I asked for health, that I might do greater things
I was given infirmity that I might do better things
I asked for riches that I might be happy
I was given poverty that I might be wise
I asked for power that I might have the praise of men
I was given weakness that I might feel the need of God
I asked for all things that I might enjoy life
I was given life that I might enjoy all things
I got nothing I asked for but everything I had hoped for
Almost, despite of my Unspoken prayers, they were answered
I, among all people, am most richly blessed!

– Dimple Soni, MIT (Prev.)



"UNFORGETTABLE JOURNEY OF ARYAN"

So, finally they are here, my last days of college, when I won't be required to get up in the morning and rush to attend classes, won't have any assignments, or won't have any headaches due to exams. In these last few months it's time to make our relations strong, forget all enmity and enjoy them to the fullest. It won't be correct if I say that I did not realize when these 3 years passed by coz I did. I realized every bit of this journey and I am glad to be a part of it.

I am in the final year. Just a few more months and I'd be a graduate and a long phase of life would come to an end.

It was a great experience being here. I have learnt many things. Now when I look back, I feel the changes.

As I can recall that we attended many classes, less we bunked (Its ARYAN, HaHa Just kidding), chit-chat in corridors, fighting and shouting in classroom when teachers didn't turn up on time, clicking crazy pictures at each corner of the campus even in the washroom to just add it in our memories, crazy birth day parties in the classroom, using mobile even if it is restricted in the college premises, spending hours in the canteen, fighting with each other by carrying little misunderstandings, enjoying each and every activity or functions or occasions at Aryan to the fullest.

Always buttering and requesting the teachers to leave the class ten minutes early, making so many excuses to skip the test, talking to the teachers as if we are talking to our friends and yes of course this is the best part in ARYAN.

We never start our work until our tail is on fire.....! I mean completing a long week assignment overnight, fear of power point presentations and also getting irritated when they didn't open during the final presentation and obviously late night preparations are usual during semesters Moreover eating, talking, playing games, teasing making fun of each other, abusing, hangouts and having loads of fun extends the list and makes it 'Endless'.

Life is always fun and exciting here. These are the amazing days of my life, three years at ARYAN, the best three years of my life and these joyful and carefree days will never come back.

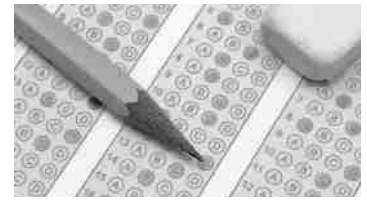
Now tears are rolling down from the corner of the eyes. But here I make a promise and a resolution of the new year to be with my friends till the last day I see and expect the same from my dear friends. It's not just a bond we had but a family created to be together forever.

"I Am Proud to be an Aryanite"

– **Monika Sabhnani, BCA Part III**



EXAM OR NO EXAMS



Today is the World of Competition and everyone is competing to be successful. One who works hard, gains success. In school and colleges, students are regularly evaluated and on the results of these evaluations, they are promoted to the next class. What is the basis of this evaluation?

The answer as we all know is—"through Examination". Every student tries to perform better than his previous attempt in the examination. They have an enthusiasm and a fighter's spirit to do better than their fellow companions. If there were promotions without evaluation how would we judge our standard? If there were to be no examinations there would be no desire to work hard. Consequently the growth of students would be restricted. Students will not try their best.

Exams help a student to recognize his capability. A student has to be prepared for the competing world and this is possible only through exams. If students giving exams, do not come first in race, still they will try to complete the race. If there will be no exams, I believe that hardly anyone would even touch his/her books. If the outcome of exams is good, it is nice but if it is not, one will at least learn to accept things as they are.

Exams are a sort of force that compel every student to study. If one is passed without exams it would be a luxury for now, but what about the future?

Exams are not a burden but a source of development.

– **Mohit Gupta, B.Sc. Part II**

Importance of Mistakes in our Lives

We humans have been designed in such a way that learning process comes naturally to us. So many times these lessons are disguised in form of obstacles, mistakes and difficulties. But then, what is life without an iota of those failures. It is said that our difficulties teach us more than what our successes do.

How true! Mistakes are part of our lives and we will keep making mistakes till our last breath. But while mulling over our mistakes we often tend to undermine our success and other positive experiences. Can't we just say to ourselves that yes, we had an experience instead of saying we made a Mistake? Perhaps this single change of word will bring huge joy and pleasure in our lives. As they say, it's all about matter of perception!

Mistakes are essential parts of our lives. They are an indicator of where we need to take a pause in the maddening rush of life and take care of the things that demand our urgent attention. They are simply a way to remind us not to let loose that you have earned and acquired over the years. Receive it as a gift, rest will become very easy.

—**Anjul Sharma, BCA - Part III**

IF Only Life Could Be Like a Computer!

If you messed up your life, you could press "Alt, Ctrl, Delete" and start all over again!
 To get your daily exercise, just click on "run"!
 If you need a break from life, click on "suspend".
 Hit "any key" to continue life when ready.
 To turn up the sound blaster.
 To "add/remove" someone in your life, click settings and control panel.
 To improve your appearance, just adjust the display settings.
 If life gets too noisy, turn off the speakers.
 When you lose your car keys, click on "find".
 "Help" with the chores is just a click away.
 You wouldn't need auto insurance, You'd use your diskette to recover from a crash.
 We could click on "send" and the kids would go to bed immediately.
 To feel like a new person, click on "refresh".
 Click on "close" to shut up the kids and spouse.
 To undo a mistake, click on "back".
 Is your wardrobe getting old? Click "update".
 If you don't like cleaning the litter box, click on "delete".

—Neeraj Bardewa, MIT (Prev)

Expectations: A Problem !!

Expectations are the cause of all the anxiety in the world. Why do we expect something from others? We expect from, our Parents, that they should love, and give us what we want in life. But, if they don't, we cry and feel sad.
 We expect from our friends that they should help and respect our opinions and feelings.
 But, if they don't, we feel tensed.
 We expect from the people around us to be good and helpful.
 But, if they don't, we feel sombre.
 We expect from the whole world that it should think the way we want but if it doesn't, we riot.
 We expect from ourselves that we should be the best in every field. But if we fail we get upset or cry.
 The major problem lies in this single word "EXPECTATIONS". So, exclude it from your life and don't expect anything from anyone, just give everything to everyone, what You Have.

—Himanshu & Harsha, MIT (Prev)

You Can Be Whatever You Want To Be!

There is inside you
 All of the potential
 To be whatever you want to be
 All of the energy
 To do whatever you want to do
 Imagine yourself as you would like to be
 Doing what you want to do,
 And each day, take one step
 Towards your dream,
 And though at times it may seem too
 difficult to continue,
 Hold on to your dream.
 One morning you will awake to find
 That you are the person you dreamed of.
 Doing what you wanted to do,
 Simply because you had the courage
 To believe in your potential
 And to hold on to your dream.



—Amjad Khan, BIT Part III



I am Proud to be a Girl

One day I told my mother that I had to write on this topic, she said that India is a male dominated society and male child is preferred to the girl child. I couldn't understand my mother's words. At home, I have not experienced any difference. My brother and me are considered equal and in many decisions, my view is preferred. My father and mother love me a lot. There is no discrimination. People often ask whether a girl child is a curse or a blessing, I think it is a question that is already answered because women and girls today are progressing in every field.

They are not only better than men in household work, but also in academics and various professional fields. I am better than my brother in household work and equal to him in the academics. So why should a girl child be considered a curse?? My experience as a girl child has been great till now and I expect it to continue. I always say to my mom—"You may find a girl prettier than me, but not a smarter girl like me." I wish that God makes me a girl in the next birth too.

—Himanshi Mishra, BIT Part II

Give Me Some Problems

Abstinance of problem in your life makes you no good than dead. If your life is going smoothly without any hurdles and setback, you are sure to face some grave trouble in near future. Without difficulties and problems our life loses its liveliness. By trying to move away from trouble, unknowingly, we are moving away from living.

If you get a feeling that you are devoid of problems this year, go to your room, shut down all doors and window and kneel down in prayer.

"O Lord! What is the matter? Do you not trust me and my capabilities anymore? Please give some problems..."

—Rahul Paladia, BBA - Part III

Value of Time

There is nothing as valuable as time. We should not waste our time. Life is short. We should try to do as much good as we can. "If you waste your time, later time will waste you." Time once lost is lost for ever. Money spent can be earned again probably with interest. Almost everything in the world can be purchased, but time lost can't be purchased.

As each second ticks away, that second moves from the present to the past. If you have not properly used that single second when it was in the present, it is a second wasted and it is already lost and merged into the past. No amount of crying or trying can bring back the past. It is the time which gives birth to a child, make him young and old. It is the time which ends life.

Future is yet to come and how you will use the future, depends on how you are using the present. If you want success, make proper use of time. Mind the present and make full use of it. It is sure and certain.

—Richa Sharma, BCA -Part I

Motivate Yourself....

- A creative man is motivated by the desire to achieve not by the desire to beat others.
- Always desire to learn something useful.
- Always do your best, what you plant now, you will harvest later.
- Be miserable or motivate yourself for whatever has to be done, its always your choice.
- Be gentle to all and stern with yourself.
- Belief creates the actual fact.
- Change your thought and you change your world.
- Every charitable act is a stepping stone towards heaven.

— Alpa Jain, BCA Part II

Angel

God blessed me with an Angel,
 I'm proud to have my own.
 She's been with me throughout my life,
 been with me as I've grown.
 She's guided me the best she can,
 She's taught me like no other,
 and I'm thankful, I'm the lucky one
 who gets to call her MOTHER.

— Deepika Sharma, BIT Part III



Be A Communication Starter

Everyone knows the feeling of the first day when a new session starts. There's a certain bit of undeniable anxiousness that comes with entering the class, Full of new people. Here's a good thing : Everyone is feeling it.

Before even saying a word, the first important thing is to TRY and RELAX. You need to seem friendly to the people around you. Don't immerse yourself in playing with your phone, texting or hiding under headphones before class starts. Use the time before the professor walks into to scope out your classmates. The important thing is to TRY to get yourself out there, not just drill the other person for information.

—Siddhika Soni, BCA Part II



सोचो, करो और जीतो

जिन्दगी में आगे बढ़ने के लिए क्या करना होगा? जल्दी उठना होगा। सुबह जल्दी उठने से दिनभर दिमाग फ्रेश रहता है। शरीर ऐक्टिव रहता है। व्यक्ति शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक रूप से स्वस्थ रहता है। यदि व्यक्ति स्वस्थ रहेगा तो दिनभर में उसके पास समय बचेगा। समय बचेगा तो कुछ सोचेगा तथा सोचेगा तो कुछ करेगा। मन में सोचलेगा और उसी लगन से करेगा तो दुनिया की कोई ताकत नहीं है जो उसे रोक सकेगी, क्योंकि हम जब छोटे थे तब हमें साइकिल चलाना नहीं आता था तो हम उस समय मौका देखते थे कि कोई साइकिल मिले और नहीं मिले तो हम किराये पर लाते थे। चलाने की कोशिश करते थे, नहीं चलती थी, गिरते थे, चोट हमें भी लगती थी और साइकिल को भी, लेकिन हम यह नहीं सोचते थे कि हमारा और साइकिल का जो नुकसान होगा उसे भरेगा कौन? हम तो बस यही सोचते थे कि “शुरूवात तो करो जो होगा देखा जाएगा”। इस तरह हम साइकिल चलाकर लानास ीख रहे थे। सत रहल इफ अर कैरिअर को साइकिल की तरह समझना चाहिए। अब बात है सुबह जल्दी उठने की, वो तो मैं भी नहीं उठता था लेकिन जब से मुझे हमारे फर्स्ट ईयर के क्लास टीचर लोकेन्द्र सर ने इसके बारे में बताया उस पर मैंने ट्राई किया तो पता चला कि अलार्म व मोबाईल की जरूरत नहीं है। यदि रात को 2 बजे भी यह सोच कर सोये कि सुबह 6 बजे उठकर 7 बजे कालेज जाना है तो ऐसी कोई नींद नहीं है जो सोने पर मजबूर करदे क्योंकि हम जब पिकनिक पर जाते हैं तो हम रात को सोच कर सोते हैं कि कल सुबह कॉलेज, 6 बजे उठना नहीं बल्कि हमें 6 बजे पहुँचना है, तो हम पहुँच जाते हैं। इसमें Local वाले तो क्या बाहर गाँव वाले भी जो 50 कि.मी. दूर से हैं वो भी पहुँच जाते हैं। इसलिए सोचने से काम नहीं चलता है, सोचकर ठान ले तथा उसी वक्त से शुरूआत कर दो बस यही काफी है।

—Ravi Prakash Sharma, BSC Part II

इजाजत है.....

- कुछ नया करना या आजमाना ठीक है।
- गलतियाँ करने में कोई हर्ज नहीं, उनसे तुम बहुत कुछ सीखोगे।
- किसी काम में ज्यादा वक्त लग रहा हो और वह काम सही दिशा में चल रहा हो, तो समय लगाना ठीक है।
- अपनी गति से काम करना ठीक है।
- अपने तरीके से काम करना ठीक है।
- असफल होना ठीक है। तुम बिना डरे उस काम को दोबारा कर सकते हो।
- औरों से भिन्न होना ठीक है।
- जब तक तुम तैयार नहीं हो, इन्तजार करना ठीक है।
- सुरक्षित रहते हुए प्रयोग करना ठीक है।
- प्रचलित तरीकों पर प्रश्न उठाना ठीक है।
- तुम अपने आप में विशेष हो। विशेष होना ठीक है।
- चीजों को अस्त-व्यस्त करना ठीक है, यदि तुम बाद में उन्हें व्यवस्थित करने को तैयार हो।

—Ankit Soni, BBA Part III



“रक्तदान”

“जन्म से मृत्यु तक, व्यक्ति अपने आस-पास के वातावरण व समाज से कई प्रकार की सहायतायें पाता है और देता है।”

रक्तदान द्वारा आप अन्य को जीवनदान दे सकते हैं और कुछ ही समय में आपका शरीर उस रक्ता का पुनः निर्माण कर लेता है।

सत्य तो यह है कि कुछ ही व्यक्ति रक्तदान करते हैं और कुछ कारणवश अपने सुझाव प्रस्तुत कर देते हैं। बहुत से व्यक्ति उसे अपना नुकसान समझते हुए रक्तदान नहीं करते हैं लेकिन उन्हें क्या मालूम कि उनके खून से किसी एक का जीवन बच सकता है।

हम वर्तमान में जीते हैं हमें नहीं मालूम की भविष्य में क्या होगा। मैं आज रक्तदान करने में सक्षम हूँ। लेकिन मुझे भी कल रक्त की आवश्यकता पड़ सकती है एक पल सोचें कि अपनी मदद ही आवश्यकता है।

इसलिये आज में जियें दूसरे के लिये जियें और अपना-दूसरों का भविष्य सुनहरा बनाए।

Please Donate Blood for a Noble Cause

—Pushpendra Singh, BCA Part II

कार्य करते समय अभाव, बाधा, विरोध, आरोप, विश्वासघात, कष्ट आदि प्रतिकूलताएं आती ही रहती है।
जो इनका समाधान निकाल लेता है या सहन कर लेता है या इनको टाल देता है, वह सफल हो जाता है।

जो लोग कुछ नहीं करते हैं, वे निन्दा करते हैं।

B.Com (Hons.) Part I

1. Dilip Kumar	63.5%
2. Thakur Das	58%
3. Ramesh Rupani	56.5%

SUBJECTWISE HIGHEST MARKS

Company Law	: 60 - Thakur Das
Business Economics	: 62 - Dilip Kumar
Statistics	: 75 - Dilip Kumar
Cost Accounting	: 90 - Abhishek Mittal
Corporate Accounting	: 55 - Ramesh Rupani
Financial Accounting	: 80 - Dilip, Grusha, Thakur

B.Com (Hons.) Part II

1. Amit Yadav	67.66%
2. Shipra Gupta	65.16%
3. Priyanka	63.16%
Mgmt. Acctg.	: 78 - Shipra Gupta
Cost & Portfolio	: 74 - Amit Yadav
Auditing	: 67 - Priyanka
Business Statistics	: 77 - Amit Yadav
Company Law	: 70 - Shipra Gupta
Money & Banking	: 76 - Mohd. Rehan Ali

B.Com (Hons.) Part III

1. Versha Khanna	66.83%
2. Kritika Nag	61%
3. Arti & Neha	58.16%
Management	: 50 - Arti, Kritika, Versha
Rural Dvlpt	: 47 - Arti Jaisinghani
Income Tax	: 66 - Versha Khanna
Taxation Law	: 76 - Versha Khanna
Advance Costing	: 98 - Neha Mathur
O R	: 78 - Versha Mathur

BBAPart I

1. Pooja Goswami	81.6%
2. Chitranshi Sharma	77.7%
3. Diksha Goklani	71.8%
Env. Sc.	: 71 - Pooja Goswami
English	: 79 - Pooja Goswami
Management	: 87 - Chitranshi Sharma
Business Maths	: 100 - Pooja Goswami
Accounting	: 75 - Vikas Singodia
OB	: 88 - Saurabh Hamilton
Statistics	: 91 - Pooja Goswami
Computers	: 87 - Chitranshi Sharma
Reg. Framework	: 86 - Pooja Goswami
Micro Economics	: 82 - Chitranshi Sharma

BBAPart II

1. Rahul Paladia	76.8%
2. Ashish Jain	76.4%
3. Anjali Jain	74.3%
Macro Economics	: 68 - Virendra Singhvi
Cost Accounting	: 91 - Anjali Jain & Ashish Jain
Business Statistics	: 87 - Ronak Khandelwal
Functional Mgmt.	: 79 - Ashish Jain
Communication	: 90 - Ashish Jain
Company Law	: 74 - Rahul Paladia
Business Research	: 79 - Rahul Paladia
Purchase Mgmt.	: 80 - Anjali Jain
Quality Mgmt.	: 73 - Rahul Paladia
Office Mgmt.	: 71 - Komal Kotai

BBAPart III

1. Gaurav Mishra	76.9%
2. Mridul Jhanwar	75.6%

3. Nisha Chandwani	75.4%
Financial Accounting	: 95 - Mridul, Rajat, Ritesh & Ujjwal
Information System	: 68 - Gaurav Mishra
Business Env.	: 76 - Kavita Joshi
Labour Law	: 76 - Heena Mittal
International Bus. Mgmt.	: 87 - Heena Mittal
Export Import	: 74 - Aakarshi, Gaurav & Mridul
International Bus. Env.	: 75 - Neha Yadav

1 BSC - IT

1. Mohit Gupta	73%
2. Gaurav Parashar	71%
3. Himanshi Mishra	70%
Comp. Logics & Reasn.	: 40 - Gaurav Parashar
Foundation Course in IT	: 40 - Mohit Gupta
Office Auto. PC Software	: 41 - Mohit Gupta
C Prog & Data Structure	: 38 - Himanshi Mishra
Circuit Analysis Dev	: 30 - Jitendra Chaudhary
	: 30 - Neeraj Keswani
D B M S	: 34 - Gaurav Parashar

2 BSC - IT

1. Lalit Kishore	79%
2. Amjad Khan	78%
3. Gimmy Chouhan	77%
C.O.S.M.	: 50 - Ankit Panwar
Analog Circuit & Comm.	: 36 - Lalit Kishore
C S T	: 35 - Ankit Panwar
JAVA	: 41 - Amjad Khan
	: 41 - Poonam Khemani
Computer Graphics	: 43 - Amjad Khan
C ++	: 35 - Gimmy Chouhan

3 BSC - IT

1. Deepika Herswani	83%
2. Hina Hashmi	81%
3. Shubhangini Bhakar	80%
Comp Elec. Circuit	: 33 - Raj Kumar Paniyar
Operating System	: 44 - Jyoti Dixit
E- Commerce	: 46 - Deepika, Hina, Jyoti Dixit,
	: Jyoti Sharma, Laxmikant
Visual Basic	: 39 - Deepika Herswani
Multimedia	: 44 - Ankit Vaishnav
R D B M S	: 42 - Hina, Jinisha, Yuvraj

1 BCA

1. Jagpreet Kaur	83%
2. Bharat Chotrani	82%
3. Lisa Parashar	80%
Mgmt of Accounting	: 46 - Pramod Ghanchi
Computer Fundamentals	: 33 - Lisa Parashar
PC Software	: 43 - Shweta Chougule
Fundamentals of C Prog.	: 41 - Komal Mulchandani
Data Structure & Algo.	: 45 - Amrita Bhati
Multimedia Basic	: 47 - Bharat, Shubham

2 BCA

1. Shashi Bhushan	84%
2. Tanushree Pareek	83%
3. Hemlata Lalwani	82%
Communication Skills	: 37 - Manish, Meenakshi, Monika
D B M S	: 36 - Divya Parashar
C S T	: 50 - Tanushree Pareek
JAVA Prog.	: 43 - Pooja Arora
C ++ Prog.	: 47 - Priya Sharma
Computer Graphics	: 38 - Gayatri Menghani

3 BCA

1. Sachin Goyal	81%
2. Reena Pal	81%
3. Taruna Soliwal	80%
E- Commerce	: 38 - Laxmi Malpani
Mobile Comp.	: 45 - Sachin Goyal
Visual Basic Prog.	: 38 - Neha Parashar
Internet Tools	: 40 - Piyush, Bhavesh
M I S	: 44 - Taruna Soliwal
R D B M S	: 40 - Arjun, Neha, Sachin

PGDCA

1. Swati Jain	77%
2. Urvashi Tirthani	73%
3. Neha Gupta	72%
Intro to IT & PC	: 80 - Swati Jain
Prog. with C	: 75 - Neha Gupta
Prog. with Visual Basic	: 67 - Swati Jain
E D P	: 73 - Swati Jain
A D B M S	: 64 - Swati Jain
Prog in RDBMS	: 86 - Swati Jain
Operating System	: 70 - Urvashi Tirthani
JAVA	: 67 - Swati Jain

MSC IT Previous

1. Parul Shekhawat	79%
2. Poonam Sharma	78%
3. Poonam Manghnani	76%
Computer Organization	: 78 - Shilpa Modi
Data Structure & Algo	: 84 - Parul, Poonam M.
R D B M S	: 76 - Esha Solomon
Disc. Maths Structure	: 78 - Parul, Poonam M., Nimisha
Prog. in Visual Basic	: 82 - Manali Garg
Web Technology	: 74 - Bharti Kewalramani
Data Comm & Network	: 78 - Parul Shekhawat
Data Warehousing	: 75 - Parul Shekhawat

MSC -IT Final

1. Manisha Chulani	83%
2. Anil Lalwani	82%
3. Ekta Singh	79%
Operating System	: 85 - Ekta Singh, Manisha
Obj Orien. Con. & C ++	: 80 - Ekta Singh
Numerical Methods	: 92 - Anil Lalwani
Software Engineering	: 81 - Manisha Chulani
Prog. in JAVA	: 81 - Krishna Shekhawat
Artificial Intelligence	: 81 - Anil Lalwani, Manisha
Cyber Law	: 79 - Kavita Heda
Software Testing & Q A	: 67 - Anil, Manisha, Lata





Editorial

It gives me immense pleasure to bring forth the 4th edition of 'Shilalekh' in your hands. 'Shilalekh' is not a mere publication in black and white but a living, breathing soul that continues to grow and delight its readers in ever increasing numbers. Every issue of 'Shilalekh' is packed with first rate reading material. The painful aspect was to leave out many articles which were just as interesting as the ones which have secured a place in the present edition. But it has been a combined effort on the part of all members of Editorial Board to select and re-select the best write ups to make this edition stand tall in the light of knowledge and entertainment.

Our young readers, through this issue, will encounter subjects that touch all walks of life. We have tremendously enjoyed putting this volume together. I am sure you will enjoy reading it as much.

Jeet Mistry

Selected for Inter-University Games



**Hemant
Chess**



**Priyadarshini
Volleyball**



**Sachin Prakash
Softball**



**Jaya Jha
Volleyball**

Articles

Distributed during 2011-12

Kaam Ki Baat	July
Emotions Yes, Emotional Drama No	Aug
What must be faced, must be faced	Sept
People make the difference	Oct
There is no easy way to the TOP	Nov
Acceptance brings positive emotions	Dec
Either don't do it or do it with devotion	Jan
Multiple Intelligence	Feb

Best Students in various categories

Most Regular	Dilip Bhambhani, 3 BIT
Leadership	Dinesh, 3 BIT
Best in Sports	Nilesh Sharma, 3 BIT
	Priyadarshini, 3 BCA
Creative Gene	Monica Sabnani, 3 BCA
Best Dancer	Neetu Verma, 2 BCA
Best Class	3 BCA (2), 1 B.Com.
Best Student	Rahul Paladia, 3 BBA
	Shashi Bhushan, 3 BCA
All Rounder	Ashish Jain, 3 BBA
Best C.R.	Garima Sharma, 2 BCA
Face of the Year	Mani Kumar, 1 B.Com.
Most Benevolent	Priyanka, MIT (Prev)
Community Service	Kanika Gupta, 3 BCA
Ethical Behaviour	Pramod Ghanchi, 2 BCA
Mr. Evening	Devendra Bhati, 3 BBA
Ms. Evening	Nidhi Shekhawat, 3 BCA
English Writing	Ritika Kasliwal, 1 BCA
	Meghna Jain, 1 BCA
Hindi Writing	Meghna Jain, 1 BCA
Quiz Winners	Vishvendra, 1 BBA
	Sumit Sisodia, 1 BBA
	Ansh Sharma, 1 BBA
	Kundan Sain, 1 BBA

Proud to be an INDIAN!

- ☐ India invented the Number system. Zero was invented by Aryabhatta.
- ☐ The world's first University was established in Takshila in 700 BC. More than 10,500 students from all over the world studied more than 60 subjects.
- ☐ According to the Forbes magazine, Sanskrit is the most suitable language for computer software.
- ☐ Ayurveda is the earliest school of medicine known to humans.
- ☐ The art of navigation was born in the river Sindh 5000 years ago. The very word "Navigation" is derived from the Sanskrit word NAVGATI.
- ☐ The value of pi was first calculated by Budhayana, what is now known as the Pythagorean Theorem.
- ☐ Algebra, trigonometry and calculus came from India. Quadratic equations were by Sridharacharya in the 11 th Century.
- ☐ USA based IEEE has proved what has been a century-old suspicion amongst academics that the pioneer of wireless communication was Professor Jagdeesh Bose and not Marconi.
- ☐ Chess was invented in India.
- ☐ Sushruta is the father of surgery. 2600 years ago he and health scientists of his time conducted surgeries like cesareans, cataract, fractures and urinary stones.
- ☐ When many cultures in the world were only nomadic forest dwellers over 5000 years ago, Indians established Harappan culture in Sindhu Valley (Indus Valley Civilisation).
- ☐ The place value system, the decimal system was developed in India in 100 BC.

ALL OF THE ABOVE IS JUST THE TIP OF THE ICEBERG, THE LIST COULD BE ENDLESS.

Say proudly, I AM AN INDIAN.

—Ajay Sharma, Faculty

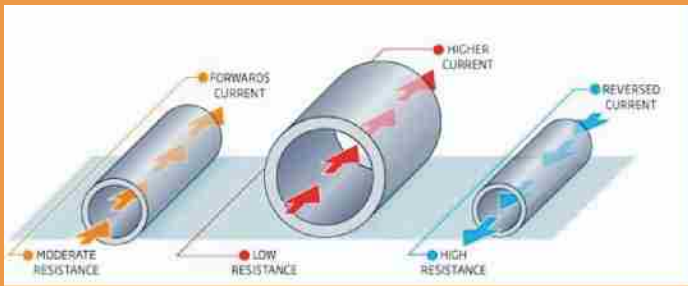
Sad Demise

We deeply mourn the untimely demise of our B.Sc.-IT Part I student Surbhi Agarwal. May the departed soul rest in peace. Students and teachers at Aryan are going to miss a very talented, sincere and enthusiastic human being.



Hot New Technologies That Will Change Everything

The Future of Your PC's Hardware



Memristor: A Groundbreaking New Circuit

We've had only three types of circuit components--resistors, inductors, and capacitors. But in 1971, UC Berkeley researcher Leon Chua theorized the possibility of a fourth type of component, one that would be able to measure the flow of electric current: the memristor.

What is it? The memristor can "remember" how much current has passed through it. A memristor can also become a one-element circuit component with unique properties. Most notably, it can save its electronic state even when the current is turned off, making it a great candidate to replace today's flash memory.

Memristors will theoretically be cheaper and far faster than flash memory, and allow far greater memory densities. They could also replace RAM chips as we know them, so that, after you turn off your computer, it will remember exactly what it was doing when you turn it back on, and return to work instantly. It will make computers that fit in your pocket and run many times faster than today's PCs.

It has ability to remember a range of electrical states rather than the simplistic "on" and "off" states that today's digital processors recognize. By working with a dynamic range of data states in an analog mode, memristor-based computers could be capable of far more complex tasks than just shuttling ones and zeroes around.

Memristors made to replace flash memory (at a lower cost and lower power consumption) will likely appear first; HP's goal is to offer them by 2012. Beyond that, memristors will likely replace both DRAM and hard disks in the 2014-to-2016 time frame.

Wireless Power Transmission

This summer, Intel researchers demonstrated a method--based on MIT research--for throwing electricity a distance of a few feet, without wires. Intel calls the technology a "wireless resonant energy link," and it works by sending a specific, 10-MHz signal through a coil of wire; a similar, nearby coil of wire resonates in tune with the frequency, causing electrons to flow through that coil too. Though the design is primitive, it can light up a 60-watt bulb with 70 percent efficiency. You can get a quick charge without ever opening up your laptop bag.



32-Core CPUs From Intel and AMD

If your CPU has only a single core, it's officially a dinosaur. In fact, quad-core computing is now commonplace; you can even get laptop computers with four cores today. But we're really just at the beginning of the core wars: Leadership in the CPU market will soon be decided by who has the most cores, not who has the fastest clock speed.

What is it? With the gigahertz race largely abandoned, both AMD and Intel are trying to pack more cores onto a die in order to continue to improve processing power and aid with multitasking operations. Miniaturizing chips further will be key to fitting these cores and other components into a limited space.

A six-core CPU based on the Itanium design should be out imminently, when Intel then shifts focus to a brand-new architecture called Nehalem, to be marketed as Core i7. Core i7 will feature up to eight cores. That many cores requires a new way of dealing with memory. 32 Core processors are expected by 2013.

3 Nehalem and Swift Chips will end the Stand-Alone Graphics Boards

Nehalem & Swift Chips Of GPU (Graphical Processing Unit) will be fitted on the die of CPU, their performance would catch up and make discrete graphics obsolete. One potential idea is to devote, say, 4 cores in a 16-core CPU to graphics processing, which could make for blistering gaming experiences.



Putting the GPU directly on the same die as the CPU presents challenges--heat being a major one--but that doesn't mean those issues won't be worked out.

USB 3.0 speeds up performance on External Devices

The USB connector has been one of the greatest success stories in the history of computing, with more than 2 billion USB-connected devices sold to date. But in an age of terabyte hard drives, USB connectors are losing the shine.



USB 3.0 (aka "SuperSpeed USB") promises to increase performance by a factor of 10, pushing the theoretical maximum throughput of the connector all the way up to 4.8 gigabits per second, or processing roughly the equivalent of an entire CD-R disc every second. USB 3.0 ports are expected to be backward-compatible with current USB plugs, and vice versa. USB 3.0 should also greatly enhance the power efficiency of USB devices.

25th Inter College Tournament Participating teams



BADMINTON



CHESS (WINNER)



VOLEYBALL



ATHLETICS



CRICKET



TABLE TENNIS

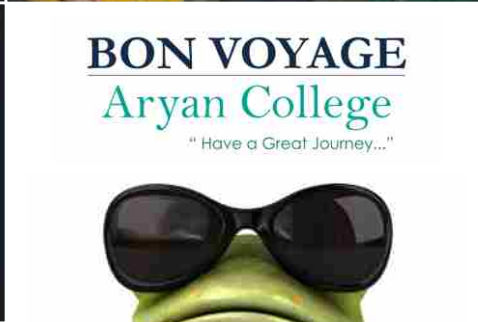


FOOTBALL



VOLEYBALL





Photography Competition





Photograph by Akshay Arya



Sachin Goyal
3 BCA



Shashi Bhushan
2 BCA



Jagpreet Kaur
1 BCA



Deepika Herswani
3 B.Sc : IT



Lalit Kishor
2 B.Sc : IT



Mohit Gupta
1 B.Sc : IT



Gaurav Mishra
3 BBA



Rahul Paladia
2 BBA



Pooja Goswami
1 BBA



Versha Khanna
3 B.Com.



Amit Yadav
2 B.Com.



Dilip Kumar
1 B.Com.



Parul Shekhawat
M.Sc : IT Prev.



Manisha Chulani
M.Sc : IT Final



Swati Jain
PGDCA



Akansha Jain
BCA : PTU

Congratulations!!!
University & College Toppers



Gaurav
Best Volunteer



Shashi Bhushan
Best Student IT



Rahul Paladia
Best Student Com.



Amit K. Yadav



Anjali Jain



Anurag Sharma



Ashish Jain



Atishay Jain



Charu Awasthi



Cherub Deedwania



Deepa Bansal



Deepika Garg



Dinesh Manghani



Divya Jain



Divya Parashar



Gaurav Chouhan



Gayatri Manghani



Gimmy Chouhan



Gurpreet Bhatia



Harsha Acharya



Heena Goyal



Hemlata Lalwani



Indu Harwani



Jyoti Sharma



Kapil Gupta



Kavita Bhatia



Khushboo Kumawat



Khushboo Yadav



Komal Kotai



Mohd. Rehan Ali



Nidhi Pareek



Nidhi Shekhawat



Payal Mundra



Piyush Gupta



Pooja Arora



Poonam Khemani



Priyanka



Rahul Paladia



Raj Asudani



Rounak Khandelwal



Shipra Gupta



Shobhit Mathur



Syed Tanzeel



Shashi B. Singh



Sheetal Raj Sankhla



Tanushree Pareek



Virendra Singh

